सिटी लाइट

www.dainiknavajyoti.com
सच्चा हमसफर

2
शनिवार
कोटा, 2 अप्रैल, 2016

दैनिक नवज्योति

मौसम

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
	40.3	25.5

पूर्वानुमान

कल सूर्योदय	आज सूर्यास्त
6.15	6.44

आर्द्रता

	%
प्रातः	42
सायं	08

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग का कोटा दौरा: कोचिंग छात्रों की मौत के आंकडों से चिंतत हुई सरकार

काउंसलर नहीं लगाने पर आयोग नाराज

बाईब्रेंट और मोशन कोचिंग के छात्रों की सर्वाधिक मौतें पर उठे सवाल

स्नातक स्तर के काउंसलर नहीं मनोचिकित्सकों की नियुक्ती करें

जेजे व पोस्को एक्ट की करें पालना नहीं तो लगेंगे कोचिंग संस्थानों पर ताले

नवज्योति/कोटा

देश में एज्युकेशन सिटी के नाम से विख्यात कोटा पिछले 3-4 सालों से कोचिंग छात्रों की मौत से बदनाम हो रहा है। इन सालों में वाइब्रेंट और मोशन कोचिंग संस्थान के छात्रों की सर्वाधिक मौतों के मामले सामने आए हैं। सभी कोचिंग संस्थानों ने जेजे एक्ट एवं पोस्को एक्ट की पालना नहीं की तो कोचिंग संस्थानों की मान्यता रद्द कर ताले लगा दिए जाएंगे। यह बात शुक्रवार को राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो ने टैगोर हॉल में तनावमुक्त शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए कोचिंग संस्थानों के प्रतिनिधियों की बैठक में हिदायत देते हुए कही। उन्होंने कोचिंग संस्थाओं के प्रतिनिधियों को फटकार लगाते हुए कहा कि वह जिम्मेदारी से भागने के प्रयास नहीं करें। माता-पिता आपके भरोसे बच्चों को पढ़ने भेज रहे हैं। शिक्षा नीति पर उंगली उठाने की जरूरत नहीं है हमें सब पता है कि कोचिंग संस्थान विद्यार्थियों की काउंसलिंग सही ढंग से नहीं कर रहे हैं। यहां बच्चों की मौत न हो इसके लिए मिलकर प्रयास करें। उन्होंने तनाव के समय विद्यार्थियों की सहायता के लिए जिला प्रशासन एवं होप संस्था के सहयोग से चलाई जा रही हैल्प लाइन की गतिविधि की जानकारी भी ली तथा हैल्प लाइन के दूरभाष नम्बरों को कोचिंग संस्थानों में प्रदर्शित करने के निर्देश दिये।

कोचिंग संस्थानों की बैठक में हिदायत देते कानूनगो। - टीआर

बैठक में मौजूद कोचिंग संस्थानों के प्रतिनिधि। - टीआर

काउंसलिंग की बात पर उखड़े कानूनगो

कानूनगो ने जब कोचिंग संस्थानों के प्रतिनिधियों से पूछा की काउंसलरों की शैक्षणिक योग्यता क्या है और कितने बच्चों पर कितने काउंसलर हैं, तो चौंकाने वाला आंकड़ा सामने आया। जिसमें काउंसलरों की न्यूनतम शैक्षणिक स्तर स्नातक और 77 हजार बच्चों पर महज 4 काउंसलर रखे जाने पर प्रियंक कानूनगो उखड़ गए। उन्होंने तीखे शब्दों में लताड़ लगाते कहा कि स्नातक स्तर के काउंसलरों को कोई नॉलेज नहीं है। इसके लिए मनोचिकित्सकों की नियुक्ती करें। ताकि बच्चों की काउंसलिंग सही ढंग से की जा सके और बच्चों की संख्या के अनुसार काउंसलर नियुक्त किए जाएं। आदेशों की पालना के लिए एडीएम सुनीता डागा और एसपी अनंत कुमार को जिम्मेदारी सौंपी।

कहीं इसलिए तो नहीं हो रही मौतें

प्रियंक कानूगो ने बताया कि कोचिंग संस्थानों के बच्चों से की गई बात में यह खुलासा हुआ है कि कोचिंग संस्थान बच्चों का बैच बदल देते हैं। जिस कारण पढ़ाई में कमजोर बच्चा तनावग्रस्त होकर आत्महत्या का मार्ग चुनता है। ऐसे में बच्चे को सही काउंसलिंग की जरूरत होती है लेकिन कोचिंग संस्थान बच्चों को बेहतर काउंसलर उपलब्ध नहीं कराते। जिससे बच्चे और संस्थान के बीच दूरी बढ़ती है और बच्चें को मौत का रास्ता अपनाना पड़ रहा है। कोचिंग संस्थानों को कड़े शब्दों में कह दिया गया है कि वह बच्चें का बैच नहीं बदलेंगे। खेलों को अनिवार्य करेंगे।

छात्रों, शिक्षकों की सौंपे कुण्डली

प्रियंक कानूनगो ने शिक्षण संस्थाओं के प्रतिनिधियों को निर्देशित किया कि वह अपने संस्थान में पढ़ने वाले विद्यार्थियों का डाटा बेस तैयार करें। जिसमें किस होस्टल में विद्यार्थी रहता है उसका नाम व फोन नम्बर की सूची जिला प्रशासन और पुलिस विभाग को दें।

सभी विद्यार्थियों के सम्पर्क में रहने वाले कोचिंग शिक्षकों एवं कर्मचारियों का पुलिस वेरीफिकेशन भी करवाएं। ताकि मौत के मामलों में तफ्तीश में पुलिस को सहयोग मिलेगा।

■ रिहायशी इलाकों में नहीं चलने दी जाए कोचिंग

बैठक में कानूनगो ने सभी कोचिंग संस्थानों के प्रतिनिधियों को रिहायशी इलाकों में कोचिंग संचालन नहीं करने के लिए जिला प्रशासन को नगर निगम के माध्यम से एनओसी पर रोक लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नगर निगम इस बात का ध्यान रखें कि व्यवसायिक क्षेत्र में ही कोचिंग संचालन पर एनओसी दी जाए।

■ होप ने माना बायलॉजिकल बदलाव मौत का कारण

यहीं कोटा में जिला प्रशासन के साथ मिल कर काम कर रही संस्था होप के संचालक मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ. एम एल अग्रवाल ने बताया कि कोटा में किए गए सर्वे एवं काउंसलिंग में यह बात सामने आई है कि बच्चों में बायलॉजिकल बदलाव आ रहा है। इस समय उन्हें सर्वाधिक चिकित्सकीय काउंसलिंग की जरूरत होती है। लेकिन आए शारीरिक बदलाव को समझने की बजाय बच्चा गलत आदतों में पड़ जाता है। जिससे भी मौत का एक कारण माना जा रहा है।

विद्यार्थियों एवं संचालकों से मिले

इससे पूर्व राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो के नेतृत्व में सात सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार को कोटा पहुंचा तथा विभिन्न कोचिंग संस्थानों, छात्रावासों का भ्रमण कर विद्यार्थियों एवं संचालकों से मिले तथा मानसिक तनाव के कारणों के बारे में विस्तार से अलग-अलग जानकारी ली।

यह रहे बैठक में मौजूद

बैठक में तकनीकी विशेषज्ञ शाईस्ता के शाह, विशेषज्ञ गीतांजली, रजनीकांत, अतिरिक्त कलक्टर नगर सुनिता डागा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनन्त कुमार, बाल कल्याण समिति कोटा के हरीश गुरूबक्शानी, सदस्य डॉ. अरूणा शर्मा, शिक्षा एवं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अधिकारी, मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ. एम एल अग्रवाल, ऐलन, बंसल क्लासेज, कैरियर प्वाइंट, अकांक्षा क्लासेज, वाईब्रेंट और मोशन कोचिंग समेत 9 कोचिंग संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

> कोटा में मौत के मामलों को रोकने के लिए देश के अन्य शहरों में भी संस्था अध्ययन करेगी। सभी तथ्यों की जांच के बाद ही यह साफ हो सकेगा की एज्यूकेशन सिटी कोटा में बच्चें आत्महत्या क्यूं कर रहे हैं। पिछले साल 34 बच्चों की आत्महत्या से देश में कोटा बदनाम हो चुका है। इसे लेकर सरकार चिंतित है।
>
> *प्रियंक कानूनगो, सदस्य, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग*

एमबीएस में आज से शुरू होगी निरोएन्ड्रोस्कोप

मस्तिष्क और मैरूदंड के रोगियों की हो सकेगी दूरबीन सर्जरी

नवज्योति/कोटा

हाड़ौती के मस्तिष्क और मैरूदंड के रोगियों को दूरबीन सर्जरी का लाभ कोटा एमबीएस अस्पताल मिलेगा। इसके लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग शनिवार से मस्तिष्क और मैरूदंड की दूरबीन सर्जरी की सुविधा का शुभारंभ करने जा रहा है। कोटा उत्तर विधायक प्रहलाद गुंजल सुबह 11 बजे एमबीएस अस्पताल में पौने दो करोड़ की लागत से बने मॉड्यूलर ओटी में निरोएन्ड्रोस्कोप का उद्घाटन करेंगे। चिकित्सालय अधीक्षक डॉ. विजय सरदाना ने बताया कि इससे पहले हाड़ौती क्षेत्र के मरीजों को निरोएन्ड्रोस्कोप की सुविधा के लिए जयपुर रैफर करना पड़ता था। लेकिन अब कोटा में भी यह सुविधा उपलब्ध होगी।

अधीक्षक आज मिलेंगे सांसद से

तैयार हुई 2 लाख लीटर की पेयजल टंकी, रजिस्ट्रेशन काउंटर भी होंगे शुरू

नवज्योति/कोटा

न्यूमेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में नवनिर्मित उच्च जल भराव क्षमता की 2 लाख लीटर पेयजल टंकी और बनाए गए 10 रजिस्ट्रेशन काउंटरों के उद्घाटन के लिए शनिवार को चिकित्सालय अधीक्षक डॉ. चन्द्रशेखर सुशील कोटा-बूंदी सांसद ओम बिरला से मिलेंगे। उन्होंने बताया कि दोनों सुविधाएं तैयार हैं। इन्हें लोकार्पण का इंतजार है। पेयजल टंकी से चिकित्सालय की पेयजल समस्या का निराकरण होगा। अगले सप्ताह दोनों सुविधाओं को शुरू किए जाने की उम्मीद है।